9ेपक,

I'll for 1

एराँ० कृष्यन, संचित् बाभिक विभाग, उत्तराचन शासन। अस्तराचन होता स्थाप

तेवा भं,

- ाः समहत पुमुक्त सचिव/ सचिव
- तमत्त विभागाण्यः।,
 उत्तरांचन।

उत्तारांचन शासन।

3. तमस्त जिला पिकारी, उत्तरांचना

पार्भिक अनुभाग-2 देहरादूनः दिनांक-०१-दिसम्बरः , 2002 चिषपः- सगूहं गं तथा समूह धः के।पद्रौ।पर सीधी भती के माध्यमः ते निषुचित हेतु रोजगार कार्यालय में पंजीकरण की आवश्यकता।

महोदय, मन मान माना है। स्टाइट होना होना

उपर्यंवत विषय पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि तमूह
"ग" तथा तगृह "प" के पदों पर ती भी भती के माध्यम से भरी जाने वाली
"रिधितयों को अधिमूचित करने के लिये तमस्त विभागों के अन्तर्गत एकल्पता— बनाय रचने के उद्देश्य से उत्तरांचल राज्य के अन्तर्गत किसी एक तेवायोजन के कार्यालय में अभ्यथीं का पंजीकरण होने की अनिवार्यता के विषय पर शासन दारा तम्यक स्प से विधार किया गया है।

इस सम्बन्ध में प्राप्तन द्वारा सम्बक्ष विधारोपरान्त यह निर्णय निया गया है कि " युंकि रोगार कार्यानय न केवन संस्थाओं से प्राप्त अधियाचनों के निए प्रमृतिकरण का कार्य करते है अधित वेरोजगार युक्क/ युवितियों को व्यवसायिक मार्ग्वर्शन व केरियर गाइडेन्स करते है इस उद्देश्य से रोजगार कार्यानय को यह जानकारी होनी याहिये कि किन- किन शिक्ति केरिया को अध्यिषियों का ययन हो रहा है और अधियायन प्राप्त हो रहा है। इन परितियतियों में शासन द्वारा यह उचित समझा गया है कि समूह में तथा समूह "च" के कर्मयारियों के विध्य में उत्तरांचन में किसी न किसी रोजगार कार्यानय में अध्यर्भी का रिक्ट्रियन होना

अनियार्थ है परन्तु अम्बर्धी को यह सम्बूर्ण त्यतंत्रता है कि वे अपन राजनार कार्यानए में दर्ज होने का हदाला देते हुए सीचे विभापन के चिल्प्र आवेदन दे सकते हैं।

अतः आपरे अनुरोध है कि कृषया तमूह "ग" तथा तमूह "घ" के सीची भर्ता के माध्यम ते भरे जाने पाने पारों पर चयन हेतु रिचित्वों को अधिसूचित करते तमय उपरोक्त निर्पय का भी अनुषानन करने का कष्ट करें।

> भवदीयः डीक्स्ट्रीयः १ एस० दृष्टपन १ सचिवः

संख्या /७१५ (।) /का भिन-२/२००। तद्दिमांक।

पृतितिषि निम्नतिषित को सूपनार्थ एवं आत्रश्यक कार्यवादी हेतु प्रेपित :-

- ा. गोपन अनुभाग को उनके अशासकीय पत्र सं0-4/2/26/2001 -भीरः एवस दिनांचें 7 दिसम्बर 2001 के संदर्भ में।
- तमस्त मा० मंत्रियणों के निजी तिचय ।
- उ. सचियालय के समस्त अनुभाग ।
- मः भाई हाईम ।

आदार हें,

\$ एस० कृष्णन } सचिवः